भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 1108

उत्तर देने की तारीखः 26.07.2021

प्राथमिक शिक्षा

†1108.श्री धर्मेन्द्र कश्यप:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर सर्वेक्षण करने के लिए कोई सरकारी निकाय है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं तो सरकार की ओर से सर्वेक्षण करने वाले संगठनों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि शिक्षा पर भारी मात्रा में खर्च करने के बावजूद हमारे देश में शिक्षा के स्तर में सुधार नहीं हुआ है;

(घ) यदि हां, तो राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) सरकार द्वारा देश में शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए राज्य-वार क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) और (ख): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) कक्षा 3,5,8 और 10 में पढ़ने वाले बच्चों की अध्ययन उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए आवधिक राष्ट्रीय सर्वेक्षण आयोजित करता है। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2017, सभी 36 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को 1.10 लाख स्कूलों के 22 लाख विद्यार्थियों को शामिल करते हुए, 701 जिलों में कक्षा 3, 5 और 8 स्तर पर बच्चों की क्षमताओं का मूल्यांकन करने के लिए 13 नवंबर 2017 को आयोजित किया गया था। एनएएस (2017) को जिलों में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में विभिन्न विषयगत क्षेत्रों जैसे भाषाएं, गणित, ईवीएस/विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में रिपोर्टिंग की इकाई के रूप में संचालित किया गया था। सक्षमता आधारित परीक्षा अधिगम निष्कर्षों पर आधारित थी जिन्हें भारत सरकार द्वारा नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के केंद्रीय नियमावली में शामिल किया गया है। इसी प्रकार, सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में दिनांक 5 फरवरी, 2018 को देशभर में कक्षा 10 के लिए राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण आयोजित किया गया। 34 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 610 जिलों के 44,304

स्कूलों में अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) के 5 विषयगत क्षेत्रों में 15 लाख विद्यार्थियों के अध्ययन स्तर का मूल्यांकन किया गया।

एनएएस जिला रिपोर्ट कार्डों को जिला स्तर पर अंतरालों की पहचान करने में सहायता करने और भविष्य में सुधार हेतु कार्यनीतियों को तैयार करने के लिए राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है। इसके बाद स्कूलों में अधिगम की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए हस्तक्षेप कार्यढांचा विकसित किया गया है और राज्यों के साथ साझा किया गया है।

(ग) से (ड.) : शिक्षा स्तर की व्यापक परिभाषा है, जिसमें छात्र, शिक्षकों, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, अधिगम वातावरण, पाठ्यक्रम, शिक्षा शास्त्र, अधिगम परिणाम मूल्यांकन आदि शामिल होते हैं। समग्र शिक्षा सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में विभिन्न कार्यों जैसे शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों का सेवाकालीन प्रशिक्षण, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि सर्वेक्षण, अनुकूल शिक्षण परिवेश प्रदान करने हेतु प्रत्येक स्कूल को कम्पोज़िट स्कूल ग्रांट, पुस्तकालय अनुदान, खेल और शारीरिक गतिविधियां, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के लिए सहायता, आईसीटी और डिजिटल पहल, स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम, शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक शिक्षण, पढ़े भारत बढ़े भारत आदि के लिए सहायता प्रदान करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने पर जोर देती है।

इसके अलावा, सरकार ने शिक्षा के स्तर में सुधार करने हेतु कई कदम उठाए हैं जो निम्नानुसार हैं:-

1. प्रारंभिक स्तर पर कक्षा-वार, विषय-वार अधिगम परिणाम संबंधी प्रसंगों को शामिल करने हेतु 20 फरवरी, 2017 को केन्द्रीय आरटीई नियमावली को संशोधित किया गया है।

2. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को ग्रेड प्रदान करने हेतु 70 सूचकांक आधारित मैट्रिक्स निष्पादन ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) विकसित किया गया है।

3. निष्ठा (नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट), एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है।

4. माध्यमिक स्तर पर अधिगम परिणाम अधिसूचित किए गए हैं।

5. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान (एनआईओएस) को ओडीएल (मुक्त दूरस्थ शिक्षण) प्रणाली के माध्यम से अध्यापकों के पेशेवर प्रशिक्षण के आयोजन का कार्य सौंपा गया।

इसके साथ ही, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु विभिन्न उपायों जैसे कि नए शिक्षण शास्त्र और पाठ्यक्रम संरचना की शुरूआत, प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा, मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान तथा छात्र विकास के लिए परिवर्तनीय मूल्यांकन रूपांतरण, प्रायोगिक और क्षमता आधारित शिक्षण आदि पर जोर दिया गया है।

*****